दैनिक

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

बर्षः- 04
अंकः-207
मुरादाबाद
(Monday)
18 November 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

झांसी अग्निकांड: एक और नवजात शिशु की मौत... आग में झुलसकर मरने वालों की संख्या 11 हुई

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में एक और नवजात की मौत हो गई है। डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि रविवार को उपचार के दौरान एक और शिशु ने दम तोड़ दिया। हादसे में मरने वालों की संख्या 11 पर पहुंच गई है।झांसी मेडिकल कॉलेज की एसएनसीयू में आग में मरने वाले नवजात शिशुओं की संख्या रविवार को बढ़कर 11 हो गई है। शुक्रवार की रात एसएनसीयू

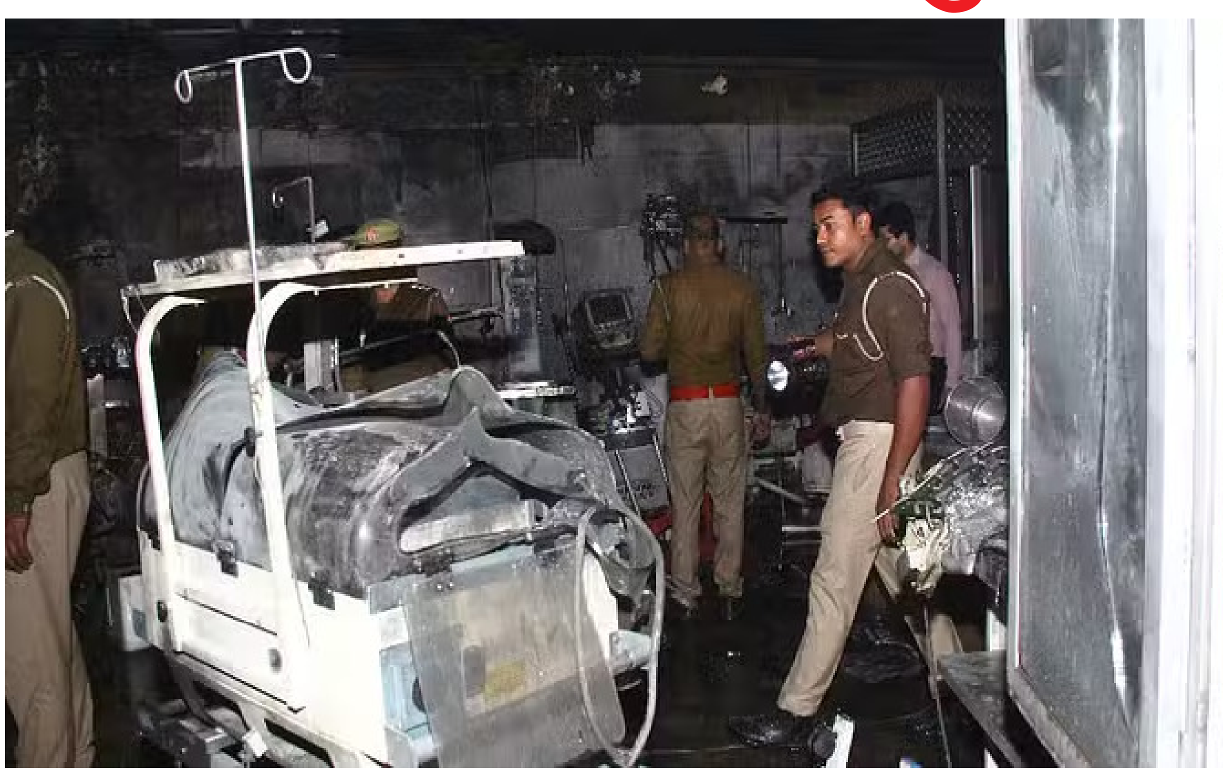

में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। जिसमें 10 बच्चों की मौत हो गई थी। डीएम ने बताया कि हादसे के समय एसएनसीयू में 49 नवजात शिशु थे। 39 शिशुओं का रेस्क्यू किया गया था। डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि रविवार को उपचार के दौरान एक और शिशु की मुत्यु हो गई है। इससे हादसे में मरने वालों की संख्या 11 पर पहुंच गई है। लोड घटाना भूले, शॉर्ट-सर्किट के बाद भड़की आग ने निगलीं 11 जिंदगियां- नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू) में शुक्रवार देर रात लगी आग की वजह साफ नहीं हो सकी। अस्पताल प्रशासन शॉर्ट-सर्किट की वजह से आग लगने की बात तो कुबूल कर रहा है, लेकिन शॉर्ट सर्किट कैसे हुआ, इसका जवाब देने के लिए अफसर राजी नहीं हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि एसएनसीयू में उपकरणों के अत्यधिक लोड की वजह से शॉर्ट-सर्किट हुआ। इसके बाद चिंगारी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर तक पहुंची। इसके बाद ही आग बेकाबू हो गई। पुलिस आग लगने के अन्य पहलुओं को भी खंगालने में जुटी है। एसएनसीयू वार्ड में जन्म के तुरंत बाद पीलिया, निमोनिया के शिकार नवजातों को रखा जाता है। नवजात के तापमान को अनुकूल करने के लिए वार्मर भी लगाए गए हैं। जानकारों के मुताबिक यहां क्षमता से तीन गुना अधिक नवजात भर्ती किए गए थे। इस वजह से जीवनरक्षक उपकरणों को लगातार चलाए रखना पड़ रहा था। मॉनिटरिंग मशीन भी लगातार चलती रहती है। तीन-चार घंटे बाद लोड को कम करने के लिए इनमें से कुछ उपकरणों को बंद करना होता है। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के कारण शुक्रवार रात यह उपकरण समय पर बंद नहीं हो सके। इस वजह से यह उपकरण अत्यधिक गर्म हो गए। इससे शॉर्ट सर्किट हुआ, इसकी चपेट में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आ गया। इससे वहां ऑक्सीजन का रिसाव शुरू हो गया। इससे आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते आग ने पूरे वार्ड को अपने चपेट में ले लिया। आखिरी ब्लॉक में भर्ती नवजात नहीं निकाले गए बाहर- चंद मिनट में आग दोनों कमरों में फैल गई। इन दो ब्लॉक में नवजातों को रखा गया था। आग लगते ही पहले ब्लॉक में भर्ती नवजातों को तो तुरंत बाहर निकाल लिया गया लेकिन, आखिरी ब्लॉक में भर्ती नवजात बाहर नहीं निकाले जा सके। पुलिस के सामने एक चश्मदीद भी सामने आया है। चश्मदीद ने बताया कि ऑक्सीजन पाइप को पिघलाने के लिए कंसंट्रेटर को बंद किए बिना गर्म किया गया। इस वजह से ऑक्सीजन का रिसाव हो गया और वार्ड में आग फैली। हालांकि पुलिस अफसर इस बयान को बहुत अधिक विश्वसनीय नहीं बता रहे। सीएफओ राजकिशोर राय का कहना है कि वहां अधिक विद्युत लोड होने से शॉर्ट-सर्किट हुआ। अन्य पहलू भी खंगाले जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री नंदी के अकाउंटेंट से ठगी की रकम से की गई क्रिप्टो करेंसी की खरीदारी, पुलिस की टीमें गठित

जांच में पता चला कि शुरुआती तीन खातों से आगे ठगी रकम को कई खातों में ट्रांसफर किया गया है। इन्हीं में से दो से तीन खाते ऐसे हैं, जिनसे क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि अब तक लगभग 100 बैंक खाते सामने आ चुके हैं, जिनमें ठगी के पैसों को भेजा गया है कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे की व्हाट्सएप पर तस्वीर लगाकर 2.08 करोड़ ठगी का मामला उलझता जा रहा है। जांच में पता चला कि इस रकम में से कुछ रुपयों का इस्तेमाल बेंगलूरू में क्रिप्टो करेंसी की खरीदने में किया गया है, हालांकि पुलिस पता कर रही है कि कितने पैसों से क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है। जिन खातों से खरीदारी की गई है उन खाता धारकों को पुलिस ने अपनी सूची में शामिल कर लिया है। अब तक ठगी की रकम 2.08 करोड़ रुपये को 100 से अधिक खातों में ट्रांसफर किया जा चुका है।पुलिस इन खातों का सत्यापन करवाने में जुटी है। आशंका है कि इनमें से कुछ खाते ऐसे भी हो सकते हैं, जो सिर्फ पुलिस को गुमराह करने के लिए भोले-भाले लोगों के खाते में पैसा भिजवाया गया है। केस को सुलझाने के लिए साइबर पुलिस की तीन टीमें लगी हुई हैं। वहीं, गोरखपुर में पान मसाला बनाने वाली कंपनी के मालिक की डीपी लगाकर जीएम से 2.17 करोड़ की ठगी का मामले को भी पुलिस जोड़कर देख रही है। अब तक 100 से अधिक खातों में पैसा ट्रांसफर-जांच में पता चला

'राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए', कांग्रेस नेता की टिप्पणियों पर गडकरी का पलटवार

राहुल गांधी द्वारा जाति जनगणना का मुद्दा उठाने गडकरी ने कहा कि असली मुद्दा गांवों, गरीबों और किसानों के कल्याण का है। गरीबों की कोई जाति और धर्म नहीं होता और एक मुसलमान को भी अन्य लोगों के समान ही पेट्रोल मिलता है।महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने सभी नेताओं से राहुल गांधी को गंभीरता से न लेने की अपील की। दरअसल, हाल ही में कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। नागपुर में प्रचार के दौरान भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा कि कांग्रेस नेता जिस की बाते करते हैं, कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं है। उन्होंने कहा

कि राज्य की जनता 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव में एक बार फिर महायुति सरकार पर भरोसा जताएगी। भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा, जिस तरह से राहुल गांधी बोलते हैं, उन्हें कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। मुझे लगता है कि लोगों को उनकी टिप्पणियों को भी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी भी राष्ट्रपति बाइडन की तरह भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं।लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को किया गया भ्रमित- गडकरी- लोकसभा चुनाव में महायुति सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसे लेकर सवाल किए जाने पर नितिन गडकरी ने कहा, 卐लोकसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं को भ्रमित किया गया था। एक कहानी बनाई गई थी कि अगर हम 400 से अधिक सीटें जीतेंगे तो बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान में संशोधन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, संविधान को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। हम न तो ऐसा कभी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अब लोगों को मालूम चल गया कि लोकसभा तुनाव के दौरान विपक्ष का अभियान झूठ पर आधारित था। अब उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में महायुति को सकारात्मकता के साथ समर्थन देने का फैसला किया है। बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर प्रतिक्रिया देते हुए नितिन गडकरी ने कहा, हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम सब एक हैं। कोई मंदिर जाता है, कोई मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च, लेकिन हम सब भारतीय ही हैं और हमारे लिए देश ही सबकुछ है। बटेंगे तो कटेंगे नारे पर नितिन गडकरी ने दी प्रतिक्रिया- बता दें कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बटेंगे तो कटेंगे टिप्पणी पर अपना विरोध जताया था। इस पर भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा, पहली बात यह कि हम अलग पार्टी हैं और यह जरूरी नहीं कि हमारे विचार एक हो। राहुल गांधी द्वारा जाति जनगणना का मुद्दा उठाने गडकरी ने कहा कि असली मुद्दा गांवों, गरीबों और किसानों के कल्याण का है। महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की 12वीं पुण्यतिथि; उद्धव-शिंदे समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को एक्स पर श्रद्धांजलि दी।शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को उनकी 12वीं पुण्यतिथि पर तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। इसमें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेता शामिल थे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने मुंबई के शिवाजी पार्क में अपने पिता की समाधि पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। शिवसेना के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के कई सदस्यों ने भी बाल ठाकरे के सम्मान में स्मारक का

दौरा किया। शिवसेना के संस्थापक का लंबी बीमारी के बाद 17 नवंबर, 2012 को मुंबई में उनके आवास %मातोश्री% में निधन हो गया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को एक्स पर श्रद्धांजलि दी। पवार ने कहा, शिवसेना पार्टी के संस्थापक, व्यंग्यकार और राजनेता दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को नमन, जिन्होंने मराठी लोगों के साथ अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गायकवाड़ ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने मराठी लोगों पर राज किया और जीवन भर मराठी लोगों के न्याय और अधिकारों के लिए लड़ते रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता फडणवीस ने अपने संदेश में कहा, हिंदूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे को उनके स्मृति दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। शिंदे की ओर से पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह के बाद 2022 में शिवसेना दोफाड़ हो गई। इसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। फिर शिंदे ने सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। बाद में चुनाव आयोग ने शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी।

'न मणिपुर एक है, न सेफ है', कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हिंसा को लेकर केंद्र पर भड़के

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए लिखा कि आपकी डबल इंजन की सरकार में न मणिपुर एक है और न ही सेफ है। मई 2023 से मणिपुर अकल्पनीय दर्द, बंटवारे और हिंसा से गुजर रहा है। मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जु खरगे ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। खरगे ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में मणिपुर न तो सुरक्षित है और न ही एक रहा है। खरगे ने भाजपा सरकार पर बंटवारे की राजनीति करने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा जानबूझकर मणिपुर को जलते रहने देना चाहती है कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट

में प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए लिखा कि आपकी डबल इंजन की सरकार में न मणिपुर एक है और न ही सेफ है। मई 2023 से मणिपुर अकल्पनीय दर्द, बंटवारे और हिंसा से गुजर रहा है, जिससे इसके लोगों का भविष्य तबाह हो गया है। हम ये पूरी जिम्मेदारी से कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा जानबूझकर मणिपुर को जलते रहने देना चाहती है ताकि अपने बंटवारे की राजनीति को जारी रख सके। राज्य के लोग आपको माफ नहीं करेंगे खरगे ने कहा कि मणिपुर में भाजपा सरकार पूरी तरह से असफल रही है और राज्य के लोग कभी भी इसके लिए भाजपा को माफ नहीं करेंगे। खरगे ने लिखा कि मणिपुर में 7 नवंबर से अब तक 17 लोगों की जान जा चुकी है और सीमावर्ती राज्य में हिंसा बढ़ती जा रही है। अगर आप भविष्य में मणिपुर का दौरा करते हैं तो राज्य के लोग कभी भी आपको न माफ करेंगे और न ही ये भूलेंगे कि आपने उनके साथ क्या किया। मणिपुर में शनिवार को हिंसा की आग फिर भड़क गई और गुस्साए लोगों ने कई विधायकों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की। गुस्साई भीड़ सीएम आवास की तरफ भी बढ़ी थी, लेकिन पुलिस ने बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू पाया। रविवार को पुलिस ने हिंसा और आगजनी के मामले में 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। राजधानी इंफाल में अगले आदेश तक कर्फ्यू लगा दिया गया है।

राज्यमंत्री ने पिता की दुकान पर चलाया हथौड़ा: यह आखिरी निशारी कह रो पड़ी गुलाब देवी, अतिक्रमण की जद में थी

चंदौसी में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान राज्यमंत्री गुलाब देवी ने अपने पिता की दुकान पर खुद हथौड़ा चलाया। पिता की दुकान को तोड़ते समय उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने सभी से अभियान में सहयोग की अपील की।चंदौसी में नगर पालिका परिषद की ओर से पिछले एक सप्ताह से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया हुआ है। इस बीच माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी ने सुभाष रोड स्थित अपने पिता स्वर्गीय बाबूराम की दुकान पर खुद हथोड़ा चला कर नागरिकों को अभियान में सहयोग करने का संदेश दिया। सुभाष रोड

पर उनके आवास के निकट स्थित दुकान में राज्य मंत्री के पिता कपड़ो पर प्रेस करने का कम करते थे। करीब चालीस साल तक उन्होंने इस दुकान पर काम किया था। अतिक्रमण की जद में उनकी दुकान भी आ गई। रविवार को राज्य मंत्री ने दुकान पर खुद हथौड़ा चला कर दुकान को धवस्त करने की शुरुआत की।इस दौरान राज्यमंत्री की आंखें नम हो गई। राज्यमंत्री ने कहा कि यह दुकान उनके पिता कि निशानी थी। कहा कि अपना शहर साफ स्वच्छ और स्वस्थ हो। इस मंशा से अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। इसमें सभी को सहयोग करना चाहिए। इस दौरान डीएम राजेंद्र पैंसिया, डिप्टी कलक्टर व ईओ विनय मिश्रा उपस्थित रहे।

संपादकीय Editorial

Corrupt traders of 'Ayushman'

The traders of health and treatment have found corruption in the 'Ayushman Bharat' scheme as well. Private hospitals are earning lakhs of rupees. Fake treatments are being done and insurance claims are also fake. The syndicate lobby of private hospitals has forced even doctors to become corrupt and unethical. If you are unwell and need to go to the hospital, the first question the hospital staff will ask is – Do you have an Ayushman card? Because you do not have to bear the cost of treatment. Through the 'Ayushman card' the Government of India ensures free treatment up to Rs 5 lakh, so the hospitals collect insurance claims from the government through that card. The traders have found a way to earn extra income through Ayushman and are exploiting it to the fullest. Recently, a case of a private multispecialty hospital in Gujarat has come to light. A free camp for health checkup was organized. That was a hoax. 19 such people, who were Ayushman card holders, were brought to the hospital from villages in the name of proper health checkup. 7 of them were deceived in the name of treatment and stents were inserted in their hearts after performing an 'angioplasty' operation. Those people did not have any heart disease earlier. The relatives of those alleged patients were not even informed and no written, signed consent was taken. The amazing thing is that the permission of the concerned department of the Government of India was also obtained in a few hours. This permission is usually obtained in two days. The result of these operations was that two alleged patients died and 5 others are undergoing treatment in the ICU. This is the latest information till the time of writing this editorial. The profession of a doctor was tampered with, an unethical crime was committed, rather it amounts to murder. There was greed that a good amount of money would be received from the Government of India in return for the operations that were done. The relevant question is whether the doctors who performed the operations were really 'cardiologists'? Was the operation necessary? Were the stents of better quality or were the patients' lives ruined by putting cheap, inferior stents? The doctor is said to be absconding, but what will happen to his professional recognition? Will the recognition be cancelled and a murder case be filed against the doctor? In this context, the biggest and darkest villain and culprit is the hospital management. Of course, the recognition of the hospital should not be cancelled, but the current management should be dismissed with immediate effect. How many cases of Ayushman card holders have come to the hospital in the recent past, what was their illness or were they not even ill, were operations done forcibly, all these aspects should be investigated in detail. The officials of the concerned department of the Government of India should also be thoroughly investigated to see if there was any collusion and collusion, money transactions! The Government of India has expanded the scope of the Ayushman card. Now every citizen above the age of 70 is eligible to get this health insurance. About 5 lakh people have also registered themselves under the expanded scheme. About 6 crore elderly Indians will benefit from this new scheme. It remains to be seen whether this scheme will also fall prey to the corrupt system and moral degradation or not. No separate budget provision has been made for the extended scheme of Ayushman. This scheme is undoubtedly very humane and unique, but the laxity of the states, lack of resources in government hospitals and the crowd like sheep and goats, hence the increasing indifference of the common man, such corrupt and unethical traders.

Lack of internal democracy in political parties

Aspects like hard work and dedication of party workers often become secondary in ticket distribution. In it, the entire emphasis is given only to the winning angle. In such a situation, loyal workers are sidelined and priority is given to money power, muscle power and caste-religious aspects. Especially, as elections are becoming more expensive, the importance of money power is increasing. In contemporary Indian politics, defection is a quagmire in which almost every political party is stuck. If we don't go too far, whether it is the Lok Sabha elections held from April to June or the assembly elections of Haryana and Jammu and Kashmir held recently, or if we take the example of Maharashtra-Jharkhand, which are facing the election process these days, then you may be confused about some leaders as to which party they are associated with these days. All the parties in both the states are grappling with dissatisfied and rebel candidates. In fact, leaders and parties have made defection so normal that it seems as if it is not an issue at all. However, this is not so. Whether it is a demand of morality or if we talk about an ideal political system, then this practice of defection definitely raises the question of trust and credibility in the political system. The first question that arises in this debate is why does this practice continue in our system? If we investigate the answer to this, then we will see the lack of political and election reforms. The mentality of some of our leaders, motivated by vested interests, is also at the root of this, which, if not a partner in power, at least wants to be close to it. Defection usually happens in two ways. One is before the election and the other is after the election. It is natural that people change sides in case they are denied a ticket in the election. However, there is not much danger in this, because before the election, the situation is clear to the voters as to who is in whose camp. In both situations, the defection that happens after the election is of a much more serious nature, because there is a greater risk of cheating the voters. Perhaps this is the reason that to curb the post-election defections, the Rajiv Gandhi government enacted the Anti-Defection Law in 1985, which was further strengthened by the Atal Bihari Vajpayee government in 2002. This did solve the problem of post-election defections to some extent, but it could not be completely resolved. The leaders have found a solution to this as well. Since a certain number is required for defection, after making that arrangement, it has now started happening in a more institutionalized manner. Even the majority figures are distorted by the representatives resigning from their membership of the House after the election. After that, the electoral process has started becoming even more cumbersome due to by-elections. At the same time, when the parties of the alliance fighting the election together go their separate ways for the sake of power, then that too is a kind of deception with the public opinion and mandate. The problem of defection has become more severe with time, and our political parties are the most guilty of it. Small parties are being run like personal estates, but the condition of big parties is also not very good. The leadership of big parties has also become centralized beyond limits. Internal democracy is also not in an ideal state. There is no definite process for candidate selection. In ticket distribution, aspects like hard work and dedication of the party worker often become secondary. In it, full emphasis is given only on the winning angle. In such a situation, loyal workers are being sidelined and priority is being given to money power, muscle power and caste-religious aspects. Especially as elections are becoming more expensive, the importance of money power is increasing. In such a situation, wealthy candidates have started getting preference. If such claimants do not get a ticket from their party due to some reasons, then the rival party accepts them readily. In many cases, it has also been seen that within five minutes of taking membership of the party, the said person is declared a candidate by the party. A leader who was holding a rally in favor of someone till half an hour ago suddenly reaches the stage of another party and starts lobbying for it. This highlights the ironies of the Indian political scenario. No legal initiative can necessarily be effective in stopping defection. Just look at the ill-effects of the anti-defection law. After its implementation, the personal rights of the public representatives have become so limited that they cannot even present their views on many issues. Many political observers interpret this situation in such a way that after the implementation of the anti-defection law, the public representatives have become 'bonded' to the political parties. Therefore, it would be better if the public itself becomes aware of this matter and forces the political parties to be responsible and accountable. All parties should work to correct the structural deficiencies related to our political system and take steps towards long-pending political and election reforms. Some lessons can be learnt in this matter from the countries of America and Western Europe. Our political parties can move forward by assimilating the positive points of the well-organized and well-organized political system of the West. In this, the system from the process of candidate selection to election funding and political adjustment can be improved. Although it is not that there is no problem of defection in the mature democratic countries of the West, but it is not so severe. There, from leaders to Political parties are quite vocal about their ideological insistence and the politics of ideology is not such that it can be suddenly changed like a skin. Whereas in India, even the leaders who claim to carry the palanquin of ideology do not shy away from changing it like clothes in this matter. In such a situation, if the ideology, internal democracy and the process of candidate selection are made transparent, then the problem of defection can be curbed to a large extent.

PM Awas Yojana is an ambitious scheme, promoting transparency

PM Awas Yojana Scheme There is a need to end the competition of schemes that are unproductive or promote freebies. Government money should not be allowed to be used to create vote banks. This is the right time that people should be given the same facilities in every government scheme as are being given to the applicants of PM Awas Yojana. The most notable of the various improvements made in the second phase of PM Awas Yojana, which fulfills the dream of owning a house of Modi government, is that now the applicants will also be able to know the status of their application. This will not only let them know when their dream of owning a house will be fulfilled, but in case of any obstacle, they will also be able to know who is responsible for it. Due to this, it will be easy for the government to complete the houses being built under PM Awas Yojana on time. PM Awas Yojana is an ambitious scheme. In the first phase of this scheme, approval was given to build 1.18 crore houses. Most of these have been built. In the second phase of this scheme, a target has been set to build one crore houses. A budget of Rs 10 lakh crore has been kept for this. This includes a subsidy of Rs 2.3 lakh crore. Every possible measure should be taken to ensure that such a huge amount is utilized properly and on time. At present, it is difficult to say when all those people in urban and rural areas who do not have their own house will be able to get a roof over their head, but it cannot be ignored that the PM Awas Yojana is helping in fulfilling the desire of crores of people. When homeless people get their own house, they not only find themselves more capable along with living a better life by being equipped with civic amenities, but their self-confidence also increases. They are ready to increase their income and thus help in the economic upliftment of the nation. Whether it is the central government or the state governments, they should pay special attention to such schemes that can help people stand on their own feet. It is not right that when there is a need to give top priority to schemes that make people self-reliant and economically more and more capable, then there is a race to implement populist schemes. There is a need to end the competition of schemes that are unproductive or promote freebies. Government money should not be allowed to be used to create vote banks. This is the right time that people should be given the same facilities in every government scheme as are being given to the applicants of the Pradhan Mantri Awas Yojana. This will not only bring transparency in the implementation of schemes, but will also help in completing them on time. It cannot be ignored that there is still a lack of transparency in government functioning. At least this should happen in every government department so that people know what is the status of their application or where and why the solution of the complaint they have made is stuck?

नगर निगम बोर्ड की बैठक जल्द बुलाने की मांग, महापौर को नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस पार्षद ने सौंपा ज्ञापन

मुरादाबाद- नगर निगम बोर्ड की बैठक लंबे समय से जनहित के मुद्दों की उपेक्षा की बात कहते हुए

सदन में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस पार्षद अनुभव मेहरोत्रा ने पार्टी के अन्य पार्षदों के साथ मिलकर पीलीकोठी स्थित शिविर कार्यालय पहुंचकर महापौर विनोद अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। उन्हें बताया कि नगर निगम बोर्ड की बैठक आठ महीने से अधिक समय से नहीं हुई है। इससे जनहित की उपेक्षा हो रही है। पार्षदों को महानगर व अपने वार्ड की समस्याओं के समाधान के लिए भटकना पड़ रहा है। अधिकारी भी जन समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे में जनहित में नगर निगम बोर्ड की बैठक जल्द बुलाया जाए। जिससे विकास कार्यों को गति मिल सके। ज्ञापन देने वालों में पार्षद शमशेर अली, शाहीन परवेज, मोहम्मद जुनैद, नदीम उद्दीन कातिब, मोअज़्ज़म अली, भारतीय परवेज़ इस्लाम आदि शामिल हैं।

बिना फायर एनओसी चल रहा मुरादाबाद जिला अस्पताल, चार माह पहले लग चुकी आग

मुरादाबाद- झांसी मेडिकल कॉलेज में आग की घटना ने मुरादाबाद के अस्पतालों की सुरक्षा खामियों को उजागर किया है। जिले में 500 से ज्यादा अस्पतालों में से 100 से कम के पास फायर एनओसी है, जिसमें जिला अस्पताल भी शामिल है। आग से बचाव के इंतजाम न होने से मरीजों की जान हमेशा खतरे में रहती है। झांसी के मेडिकल कॉलेज के शिशु वार्ड में शुक्रवार रात लगी आग में कई बच्चों की जान चली गई। मुरादाबाद में भी कई अस्पताल ऐसे हैं, जिनके पास फायर एनओसी नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि मुरादाबाद का जिला अस्पताल भी बिना फायर एनओसी के चल रहा है। यहां आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। सीएमओ कार्यालय में जिलेभर में 500 से ज्यादा अस्पताल, लैब और क्लीनिक पंजीकृत हैं। हैरानी की बात है कि फायर विभाग से 100 से भी कम अस्पतालों ने एनओसी ले रखी है। बाकी अस्पताल बिना एनओसी के चल रहे हैं। पिछले दिनों फायर विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमों ने अभियान चलाकर अस्पतालों को चेक किया था। जिन अस्पतालों के पास एनओसी नहीं है, उन्हें नोटिस भी जारी किए गए थे। इसके बाद कुछ ही अस्पताल संचालक आगे आए और उन्होंने फायर विभाग से एनओसी ली। बाकी अस्पताल अभी ऐसे रामभरोसे ही चल रहे हैं। जिला अस्पताल भी बिना फायर एनओसी के चल रहा है। इसके कारण हमेशा मरीज और तीमारदारों की जिंदगी को खतरा बना रहता हैं। अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। बावजूद इसके अस्पताल संचालक एनओसी नहीं ले रहे हैं। 100 से भी कम अस्पतालों के पास एनओसी है। कुछ माह पहले जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लग गई थी। तब जिला अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर एनओसी लेने के लिए कहा गया था। जिला अस्पताल की ओर से एनओसी मांगी गई थी , लेकिन निरीक्षण में खामियां मिलने पर एनओसी नहीं दी थी। बैटरियां फटने से ट्रॉमा सेंटर में लगी थी आग- चार महीने पहले जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में बने सीटी स्कैन कक्ष के पास वाले कमरे में बैटरियों के फटने से आग लग गई थी। एक-एक करके 34 बैटरियां फट गई थीं। थोड़ी ही देर में पूरे ट्रॉमा सेंटर में आग की लपटें और धुआं छा गया था और भगदड़ मच गई थी। इस धमाके के बाद कई दिन तक सीटी स्कैन नहीं हो सके थे और मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी थी। इसके बाद भी जिला अस्पताल प्रबंधन आग से बचाव के इंतजाम को लेकर संवेदनशील नहीं है।

मोहम्मद यूनुस का सिर कलम करने पर पांच करोड़ का इनाम

ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और नारायणी सेना कृष्ण के संरक्षक विजय यादव ने शनिवार को विवादित बयान दिया है। उन्होंने ऐलान किया कि बांग्लादेश के सलाहकार मोहम्मद यूनुस का दुनिया का कोई भी व्यक्ति सिर कलम करके लाकर देगा तो वह उसे 5 करोड़ रुपये का नकद इनाम देंगे। इसके साथ ही डिफेंडर कार और उसकी सुरक्षा के लिए एक फॉर्च्यूनर कार भी इनाम में दी जाएगी।पूर्व विधायक विजय यादव ने शनिवार को अपने आवास पर पत्रकार से बातचीत के दौरान कहा कि बांग्लादेश के सलाहाकार मोहम्मद यूनुस के इशारे पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ खास तौर से हिंदू समुदाय के भगवान श्री कृष्ण के अनुयायियों पर लगातार अनैतिक अत्याचार किया जा रहा है। यह बर्दाश्त योग्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहम्मद यूनुस के इशारे पर बांग्लादेशी सेना वहां के हिन्दू अल्पसंखयक विशेष कर कृष्ण के अनुआई को घरों से खींच कर मार रहे हैं। यहां तक कि बांग्लादेश में इस्कॉन टेंपल को प्रतिबंधित करने की योजन बनाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिन्दुस्तान में अल्पसंख्यकों के संरक्षक बनने वाले समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, बहुजन पार्टी की मुखिया बहन मायावती और कांग्रेस के राहुल गांधी का जमीर मर गया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन ये नेता आंखें मूंदे हुए हैं। पूर्व विधायक ने कहा की हम भगवान कृष्ण के वंशज हैं। बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार नहीं सहेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि नारायणी सेना को हथियार उपलब्ध करा दिए जाएं तो बांग्लादेश जाकर वहां हो रहे हिंदुओं के कत्लेआम का हिसाब कर लेंगे। साथ ही ऐलान कि बांग्लादेश के मोहम्मद युनुस का दुनिया का कोई भी व्यक्ति सिर कलम करके लाकर देगा तो वह उसे 5 करोड़ रुपये और डिफेंडर कार के साथ-साथ उसकी सुरक्षा के लिए फॉर्च्यूनर इनाम में देंगे

मुरादाबाद में दो पक्षों में विवाद, नाराज लोगों ने घरों के बाहर लगाए पलायन के पोस्टर

मुरादाबाद- मुरादाबाद के कटघर इलाके में मकान बेचने को लेकर विवाद के चलते मोहल्ले में तनाव बढ़ गया है। दूसरे समुदाय के लोगों को मकान बेचने की सूचना से नाराज लोगों ने पलायन के पोस्टर लगाए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुरादाबाद के कटघर के मेहबुल्ला गंज में डिप्टी जगन्नाथ सिंह मंदिर वाली रोड निवासी एक व्यक्ति द्वारा दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति को मकान बेचने की सुगबुगाहट से हड़कंप मच गया। नाराज होकर मोहल्ले के 20-25 लोगों ने अपने घरों पर पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं। पोस्टर में लिखा हैकि मैं अपने परिवार सहित पलायन करा हूं। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस भी सक्रिय हो गई। मोहल्ले में पिछले कई दिनों से एक व्यक्ति का लोगों से विवाद चल रहा है। इसके कारण कई बार पुलिस को भी आकर मामले को शांत करना पड़ा। मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति अपना मकान बेचना चाहता है।उनका शिशु मंदिर के पास ही दो मंजिला मकान है। मोहल्ले वालों का कहना है कि राहुल गुप्ता हिंदू समुदाय के व्यक्ति को मकान बेचने को तैयार नहीं हैं। वह दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति को मकान बेचना चाहते हैं। मोहल्ले के लोगों ने कहा कि इस मामले को पहले भी सिटी मजिस्ट्रेट, कटघर सीओ व एसपी सिटी के सामने रख चुके हैं। कही सुनवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर लोगों ने अपने घरों पर पलायन के पोस्टर लगा दिए। लोगों का कहना है कि मोहल्ले के ही कई लोग मकान की अच्छी कीमत देने को तैयार हैं, लेकिन मकान मालिक दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति को मकान बेचने की जिद पकड़े है। लोगों ने कहा, कर जाएंगे पलायन- मोहल्ले के रामजी ने बताया कि शिशु मंदिर का रास्ता लाजपतनगर पुलिस चौकी के बराबर से है। यह पूरा क्षेत्र दूसरे संप्रदाय का हो चुका है। इस कारण छात्र-छात्राओं को शिशु मंदिर तक आने-जाने में आए दिन विवाद होता रहता है। इसकी पहले शिकायतें भी हुई हैं। इसी विवाद के चक्कर में अधिकांश बच्चे अब डिप्टी साहब के मंदिर परिसर से होकर स्कूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि राहुल गुप्ता का मकान दूसरे संप्रदाय के लोग खरीदें अन्यथा विवाद हो जाएगा। दरवाजे पर पलायन करने के पोस्टर लगाने वाले अंशू व रामवती ने कहा कि प्रशासन उनके मामले में सुनवाई नहीं कर रहा है। यदि दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति को मकान बेचा गया तो वह लोग पलायन कर जाएंगे। यही बात रॉबिन, प्रेमराज, कैलाश गिरि, राम सिंह, बल्लू राम, विभव सिंह भी कही। यहीं पर आनंद की पॉलिश फैक्ट्री है, वह कहते हैं कि उनके मोहल्ले में दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति ने मकान खरीदा तो वह भी पलायन कर जाएंगे। सभी लोगों ने प्रदर्शन भी किया। सीओ-थानाध्यक्ष ने दिया समाधान कराने का आश्वासन एसपी सिटी के कहने पर मुहल्ले के लोग शनिवार शाम चार बजे कटघर थाने पहुंचे। यहां सीओ कटघर अश्वनी सिंह, थानाध्यक्ष संजय कुमार, लाजपतनगर चौकी इंचार्ज बृजेश कुमार थे। मोहल्लेवालों के साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश प्रजापति, वार्ड-48 के पार्षद कुलदीप नारायण व लाजपतनगर के पार्षद विवेक शर्मा भी थाने गए। इनके साथ मोहल्ले के शिशु मंदिर स्कूल के प्रबंधक देवराज सिंह, विनोद सक्सेना, नीरज गुप्ता, राम जी राम, निवेश गुंबर, धीरशांत दास अर्द्धमौनी थे। रामजी ने बताया कि सीओ व थानाध्यक्ष ने कहा है कि कुंदरकी उपचुनाव होने के बाद 24 नवंबर को मामले का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि विवादित मकान के भूतल को अभिनंदन ने किराए पर ले रखा है। इसी भवन में वह हैंडीक्रॉफ्ट का काम करते हैं। प्रथम तल के सभी कमरे खाली हैं। लाजपतनगर में पहले भी हो चुका है बवाल- कुछ वर्ष पहले ऐसा ही एक मामला लाजपतनगर में आया था, वहां भी एक व्यक्ति ने दूसरे संप्रदाय के व्यक्ति को मकान बेच दिया था। रजिस्ट्री होने के बाद जब मोहल्ले के लोगों को पता चला तो उन लोगों ने काफी विरोध जताया था। प्रशासन को भी ज्ञापन दिया था।

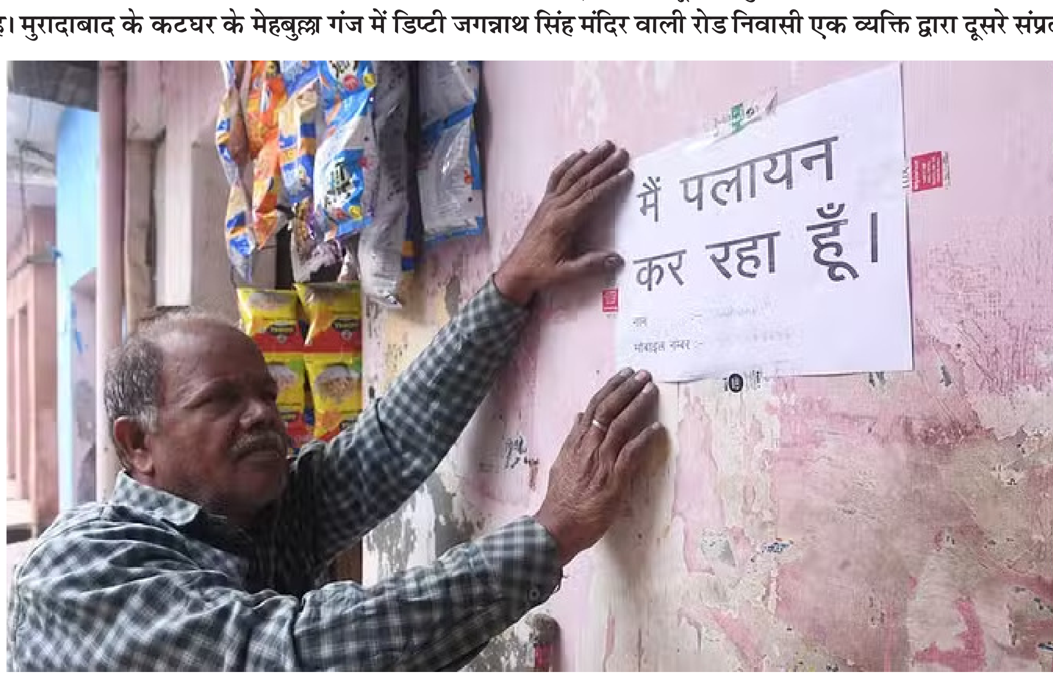

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में अश्लीलता को लेकर हंगामा: बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कैफे को घेरा, बड़ी संख्या में पुलिस तैनात

मुरादाबाद- मुरादाबाद के रामगंगा विहार में बजरंग दल ने अश्लीलता के आरोप लगाते हुए बंद कैफे के खिलाफ हंगामा किया। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस ने शांत कराया

और लिखित शिकायत मांगी। पुलिस मामले की जांच करवा रही है। मुरादाबाद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार में रविवार को दोपहर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा काटा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि हॉट कैफे में आए

दिन गलत हरकत होती रही है। अश्लीलता के चलते स्थानीय लोग परेशान हैं। बताया जा रहा है कि दोपहर में वहां कुछ युवक-युवतियों को अश्लीलता करते देखा भी गया था। इसी के बाद से आसपास के लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया था। कुछ ही देर में सूचना मिलने पर बजरंग दल के लोग भी पहुंच गए थे। भीड़ जुटने पर रामगंगा विहार चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। उन्होंने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। चौकी इंचार्ज कुलदीप राणा का कहना है कि कैफे तो पहले से ही बंद चल रहा है। इसमें ताला लगा है। उन्होंने बताया कि बजरंग दल के लोग कैफे के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जिस पर उन्होंने विरोध जाता रहे लोगों से लिखित में शिकायत मांगी है। उन्होंने कहा कि प्रार्थना पत्र मिलेगा तो वह प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई करेंगे। चौकी इंचार्ज ने कहा कि कैफे में कोई भी अश्लील हरकत करने का मामला नहीं है और न ही कोई इस तरह की गतिविधि में शामिल पाया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बी0बी0एल0 पब्लिक स्कूल, पीलीभीत रोड बरेली में 16 वां वार्षिक खेल पुरूस्कार वितरण समारोह हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।रविवार को भव्य रंगारंग कार्यक्रमों के साथ समपन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल, विधायक, बरेली कैण्ट- बरेली का स्वागत विद्यालय के प्रबन्धक, प्रधानाचार्या

ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं विद्यालय गीत के साथ हुआ। चारों सदनों के कैडेट्स ने मार्चपास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। उन्होंने खेल-कूद पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम की उद्घोषणा की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंगलाचरण शंखनाद एवं अभिनंदन गीत पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुति के साथ ही अन्यान्य विद्यार्थियों ने अत्यन्त आकर्षक संगीतमयी ड्रिल प्रस्तुत की। भारत अनेक संस्कृतियों की साझी विरासत है इसको दिखाते हुए भारतीयम थीम को प्रदर्शित किया। पूरे वर्ष आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओ के वर्गों में प्राथमिक, जूनियर्स, इंटर्स एवं सीनियर्स के अलग-अलग बालक-बालिका वर्ग में 100, 200 एवं 400 मीटर रिले, बाधा दौड़, फ्रॉगरेस तथा हॉप रेस के अतिरिक्त शॉट पुट तथा जैवलिन थ्रो, कैरम आदि की स्पर्धाएं सम्पन्न हुई। सीनियर वर्ग में वॉलीबाल, फुटबॉल तथा टेबिल टेनिस आदि के मैच आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ स्पोर्ट्स ईवेंट्स की भूरि-भूरि प्रसंशा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने में सहायक होते हैं। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ0 अल्पना जोशी ने आगुन्तक अतिथियों एवं

अब गोदौलिया पर नहीं बनेगा रोपवे स्टेशन, तलाशी जाएगी दूसरी जगह; सीएम ने दिए ये निर्देश

अब गोदौलिया पर रोपवे स्टेशन नहीं बनेगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों, अफसरों के साथ बैठक कर कहा कि आपसी सहमति से नई जगह तलाश करिए।गोदौलिया पर बनने वाला रोपवे का स्टेशन अब वहां नहीं बनेगा। यह शनिवार को साफ हो गया। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में जनप्रतिनधियों और अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से दूसरी जगह तलाश करिए। इसके बाद अब अफसर गोदौलिया और गिरजाघर के बीच में कहीं स्टेशन बनाने के विकल्प तलाशने में जुट गए हैं। यदि स्टेशन का स्थान बदला तो डीपीआर बनने और उसके पाट्र्स तैयार होने में करीब 6 महीने का समय लग जाएगा। ऐसे में प्रोजेक्ट करीब एक साल और आगे बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा कि गोदौलिया चौराहे को लेकर यदि वहां का आम जनमानस आपत्ति जता रहा है, तो उसे सुना जाना चाहिए। निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करिए और गोदौलिया और गिरजाघर के बीच में ही कहीं जो भी स्थान उचित हो वहां बनाइए।सूत्रों के मुताबिक इस पर अफसरों ने तर्क दिया कि गोदौलिया पर स्टेशन बनने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तय डीपीआर के हिसाब से जो नापजोख होने के बाद स्टेशन से जुड़े सभी पार्टस भी स्विट्जरलैंड में तैयार किए जा चुके हैं। अब अगर जगह बदलती है तो कई सारे बड़े बदलाव करने पड़ेंगे। हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ आपसी सहमति से दूसरी जगह का चुनाव करिए। बीते दिनों व्यापारियों ने विधायक नीलकंठ तिवारी को ज्ञापन सौंपा था। व्यापारियों की मांग थी कि गोदौलिया पर स्टेशन बनने से उस चौराहे की भव्यता समाप्त हो जाएगी। यह भी सुझाव दिया था कि उसकी जगह गिरजाघर चौराहे पर स्टेशन बना दिया जाए।

पीलीभीत की तहसील अमरिया क्षेत्र में चल रहे है अवैध अस्पतालों पर एसडीएम ने की छापेमारी एक किया सीज बाकी को दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

उत्तर प्रदेश के झांसी अस्पताल में हुई घटना के के बाद में यूपी में समस्त सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आ रहा है इसी के तहत पीलीभीत जिला

अधिकारी संजय कुमार सिंह के आदेश पर आज पीलीभीत की तहसील अमरिया क्षेत्र में उपजिलाअधिकारी मयंक गोस्वामी द्वारा क्षेत्र के लगभग दर्जनों अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें कमियां नजर आने पर उप जिलाधिकारी अमरिया द्वारा नोटिस दिया गया तथा अस्पतालों में फायर सिलेंडर आदि न होने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए बता दें कि आज अमरिया तहसील क्षेत्र में लगभग दर्जनों अस्पतालों में सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों का निरीक्षण उप जिला अधिकारी अमरिया मयंक गोस्वामी एवं पुलिस समुदाय स्वच्छ केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर अनिकेत गंगवार द्वारा किया गया एक मौके पर फायर ब्रिगेड के लोग भी मौजूद रहे और प्रत्येक अस्पताल में सिलेंडर की भी जांच की गई इसी दौरान उप जिलाधिकारी अमरिया मयंक गोस्वामी ने अमरिया कस्बे में अवध हॉस्पिटल को किया गया सीज बाकी हॉस्पिटल को दिया गया नोटिस

बाइक मांगने को लेकर हुई कहासुनी, एक ने दूसरे को पीट-पीटकर मार डाला; गांव में फैली दहशत

श्रावस्ती में बाइक मांगने को लेकर दो लोगों में कहासुनी हो गई। एक ने दूसरे को पीट-पीटकर मार डाला। घटना से गांव में दहशत फैल गई।यूपी के श्रावस्ती में रविवार को दो पक्षों में बाइक मांगने को

लेकर विवाद हो गया। कहासुनी इतनी बढ़ी कि मारपीट में तब्दील हो गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक ननके को पीट-पीटकर मार डाला। घटना से गांव में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। घटना भिनगा कोतवाली क्षेत्र के केरवनिया जानकी नगर गांव की है। गांव निवासी सुनील (26) की बाइक गांव के ही जिलेदार का छोटा भाई मांग कर ले गया था। वापस देने के दौरान बाइक गिर गई थी। इसी बात को लेकर जिलेदार का सुनील के चाचा ननके उर्फ रामस्वरूप (49) से शाम करीब सात बजे कहासुनी हो गई। जिलेदार का आरोप था कि यदि बाइक स गिर कर उसका भाई घायल हो जाता तो उसका जिम्मेदार कौन होता। आरोपी मौके से फरार हो गया- इसी बात को लेकर दोनों आपस में भिड़ गए। तभी जिलेदार ने बांस की बल्ली से ननके के सिर पर वार कर दिया। जिससे वह बेहोश होकर गिर गए। चाचा को बचाने पहुंचे सुनील को जानमाल की धमकी देते हुए जिलेदार ने मारा पीटा। ग्रामीणों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। दोनों घायलों को एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया। जहां इलाज के दौरान ननके की मौत हो गई। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी- मामले में मृतक की पत्नी केवली ने जिलेदार पर अपने पति की हत्या करने व भतीजे को जानमाल की धमकी देने व गाली देने का आरोप लगाते हुए भिनगा कोतवाली में तहरीर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बारे में एएसपी प्रवीण कुमार यादव का कहना है कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी घर छोड़ कर फरार है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

सीएम योगी बोले: कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए, उसने सिर्फ सत्ता के लिए देश को दो टुकड़ों में बांट दिया

महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार के दौरान सीएम योगी कांग्रेस पर हमलावर रहे। उन्होंने कहा कि 1947 में यदि कांग्रेस यदि तो देश का विभाजन नहीं होता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र में चौथे दिन चुनावी प्रचार में उतरे। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं, नीतियों व सहयोगियों पर खूब हमला किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए है। इनका इतिहास भारत के साथ धोखा देने का रहा है। कांग्रेस की कायरता, लाखों हिंदू काटे गए। 1947 में कांग्रेस नेतृत्व पाकिस्तान बनता। पाकिस्तान के लिए दंगा करने आज निपटते हैं। राजनीतिक स्वार्थ के लिए की धरती पर महापुरुषों का वंदन किया। उन्होंने निरीक्षण कर रहा था, बताया गया कि यहां प्रतीक रखे जाएंगे। मैंने पूछा कि मुगलों का शिवाजी महाराज के नाम पर होगा और यहां मोदी के नेतृत्व में महायुति में जोड़ने वाली ताकते का कार्य कर रहा है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए अंग्रेजों का डीएनए आ गया है। कांग्रेस के लिए बांटों और राज करो की नीति पर चल रहे हैं। भाग भी भारत के हिस्से बनेंगे – सीएम योगी ने की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। उसे

सत्तालोलुपता थी कि भारत को दो टुकड़ों में बांट दिया। चाहता तो भारत का विभाजन नहीं होता और न ही वाले मुसलमानों से वैसे ही निपटा जा सकता था, जैसे कांग्रेस ने देश व हिंदुओं को बांटा -सीएम योगी ने महाराष्ट्र बताया कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं आगरा में मुगल म्यूजियम है, जिसमें औरंगजेब व मुगल शासन के भारत से क्या संबंध है। इसे हटाइए, म्यूजियम छत्रपति भारत के गौरव को दर्शाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम हैं तो महा अघाड़ी के नाम पर महा अनाड़ी गठबंधन बांटने कांग्रेस ने देश, हिंदू समाज को बांटा। कांग्रेस के अंदर देशहित कभी महत्व नहीं रखता। अंग्रेजों की तरह यह भी पहले पीओके, फिर बलूचिस्तान व पाकिस्तान के अन्य भोसरी में कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकी अब भारत पता है कि नया भारत घुसकर मारता है। 10 वर्ष में पाकिस्तान की हालत यह हो है कि कटोरा लेकर घूम रहा है, लेकिन कोई भीख भी नहीं दे रहा। सीएम ने आह्वान किया कि भारत की ताकत को बढ़ाइए तो पहले पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत में आएगा, फिर बलूचिस्तान व पाकिस्तान के अन्य भाग भी भारत के हिस्से बनेंगे। गोहत्या बंद कराने का काम भी महायुति गठबंधन ही कर पाएगा, कांग्रेस नेतृत्व नहीं। खरगे जी के गांव में कत्लेआम करने वाले कट्टरपंथी मुसलमान वही हैं, जो आज शोभायात्राओं पर पत्थरबाजी करते हैं सीएम कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा के साथ ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी हमलावर रहे। बोले कि 1947 में खड़गे जी के गांव बारावत्ती को हैदराबाद के निजाम के रजाकारों ने जला दिया था, जिसमें उनकी मां, बहन व चाची की मृत्यु हो गई थी। जब मैं कहता हूं कि बंटोगे तो कटोगे तो खड़गे जी को बुरा लगता है। खड़गे जी बताइए कि निजाम और उसके रजाकार कौन थे, जिन्होंने निर्ममतापूर्वक हिंदुओं का कत्लेआम किया था। आप कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन नेतृत्व के भय से नहीं बोल रहे। आपको सच्चाई बोलनी चाहिए। निजाम का रजाकार कोई और नहीं, बल्कि वही कट्टरपंथी मुस्लिम हैं, जो आज भी गणपति महोत्सव, रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव व विशालगढ़ जैसे किलों पर कब्जा कर भारत को अपमानित करने का कार्य करते हैं। महायुति सरकार बनी तो पत्थरबाज घर में सिमट जाएंगे -सीएम योगी ने कहा कि जब विशालगढ़ में अतिक्रमण हटाने की कोशिश की जाती है तो पत्थरबाजी शुरू हो जाती है। सनातन पर प्रहार भारत पर प्रहार है। सनातन भारत के आधार का प्रतीक है, इस पर प्रहार महाविनाश को आमंत्रित करता है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाथरस में बिजली घर पर किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष उपाध्याय

अलीगढ़ हाथरस के कस्बा सासनी मे भारतीय किसान यूनियन ने जिला संगठन मंत्री संजीव कुमार के नेतृत्व में सासनी के

बिजली घर पर प्रदर्शन किया ! इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में घोषित बिजली कटौती हो रही है ! इसे रोका जाए ! बिजली के बिल बड़े पैमाने पर गलत आ रहे हैं ! इससे परेशान उपभोक्ता बिजली विभाग के ऑफिस के चक्कर काट रहे हैं ! फिर भी बिजली सही नहीं की जा रही ! इसलिए इन बिलों को जल्दी से जल्दी से सुधारा जाए ! पदाधिकारी ने कहां कि लाइनमैन बड़े पैमाने पर अवैध वसूली कर रहे हैं ! काफी उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए हैं ! उसके बावजूद भी बिल रहे हैं! बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए सिविर् लगवाए जाए ! इन मांगों को लेकर यूनियन के पदाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन भी दिया,साथ ही चेतावनी दी कि इन मागो को नहीं माना गया ! तो यूनियन तीव्र आंदोलन करेगी !इस मौके पर मुख्य रूप से जिला संगठन मंत्री संजीव कुमार, भोला सूर्यवंशी, मोनू पालीवाल,योगेश ठाकुर, सुनील शर्मा,मूलचंद बघेल, देवा पंडित आज मौजूद थे !

धान की फसल में लगी आग, 22 बीघा फसल जली, ग्रामीणों ने पाया काबू

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड से सटे नगला दरयाय गांव

के पास धान की फसल में आग लग गई। आग से 22 बीघा फसल जल गई।बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड, नगला दरयाय गांव के पास रविवार दोपहर धान के खेतों में अज्ञात कारणों से आग की लपटें उठने लगीं। ग्रामीणों की नजर पड़ी तो आग को बुझाने की मशक्कत शुरू हुई। काफी देर तक प्रयास किया जाता रहा। इस दौरान तकरीबन 22 बीघा फसल जल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को दी।थाना क्षेत्र के नगला दरयाय गांव के पास सुखराम सिंह की 15 बीघा, रणधीर सिंह की सात बीघा खेत में धान की फसल खड़ी हुई थी। रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से खेत में आग लग गई। आग लगने की सूचना पर पहुंचे खेत मालिक समेत अन्य किसानों ने आग बुझाने के प्रयास में लगे रहे। जब तक आग बुझाई जाती तब तक आग ने खेत में खड़ी फसल जलाकर राख कर दी। सूचना पर पुलिस पहुंची। क्षेत्रीय लेखपाल अगम कुमार ने बताया कि मौके पर पहुंच कर आग की घटना की जांच की जाएगी। क्षतिग्रस्त हुई फसल का आकलन किया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

पिता की स्मृति मे पेड़ रोपित कर पुण्य का कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) नगर के प्रताप नगर मे स्थित अति प्राचीन भुजरया हनुमान जी मंदिर के प्रांगण में आज श्रीमती प्रार्थना रेजा एवं वंदन कानकने एवं चेतन गुप्ता के द्वारा अपने स्वर्गीय पिता काशी

प्रसाद गुप्ता की स्मृति में हरसिंगार का पेड़ रोपित किये इस आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कृपा देवी गुप्ता ने की मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद सेठ बद्दी प्रसाद महाविद्यालय की प्राचार्या डा सावित्री गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद की इलाकाई सभासद सीमा देवी मौजूद रही सर्वप्रथम अतिथियों का क्रमशः एवं हेम प्रभा सोनी सुमन द्विवेदी एवं प्रेम देवी गुप्ता ने बैच लगाकर सम्मान किया एवं हनुमान मंदिर के सरक्षंक महंत हरिओम दास जी का राजेंद्र गुप्ता राजू ने बैच लगाकर सम्मान किया तदोपरांत श्रीमती चेतना गुप्ता ने हरसिंगार वृक्ष की महत्व ता बताई वही एवं हेम प्रभा सोनी ने यह संकल्प लिया की हर शनिवार और मंगलवार को हम इस मंदिर पर दर्शन करने आते हैं और मैं यह संकल्प लेती हूं कि मैं उस वृक्ष में पानी डाल कर उसकी सेवा करूंगी डॉक्टर नीता रेजा ने बतलाया कि हर सिंगार के पेड़ में कई गुण होते हैं जो हमारी कई बीमारियों में कारगर होता है एवं यह वृक्ष जो लगाया गया है यह हमारे वास्तु शास्त्र के हिसाब रोपित किया गया है वही वंदना कनकने ने इस वृक्ष का नाम वीर हनुमान रखा है आयो जित कार्यक्रम में प्रियंका रेजा पूनम द्विवेदी राजेंद्र गुप्ता राजू पवन द्विवेदी रमेश चंद्र रेजा विनोद अग्रवाल बगिया वाले इत्यादि लोग उपस्थित रहे सभासद सीमा देवी ने घोषणा की के इस वृक्ष के लिए वह अपने संसाधन से लोहे की जाली का ट्री गार्ड बन वाकर लगवाएंगी आयोजित कार्यक्रम का सफल एवं शानदार संचालन स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने किया वही आए हुए सभी अतिथियों का आभार श्रीमती प्रार्थना रेजा ने भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आज प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन, दुग्ध विकास, मत्स्य एव पशुधन विभाग, रविंद्र नायक ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जनपद में चल रही गौशालाओं, पशुपालन और मत्स्य पालन योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री रविंद्र नायक ने कहा कि जनपद की सभी गौ आश्रय स्थलों पर उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने विशेष रूप से भूसा, हरा चारा, पानी, चोकर, सफाई, और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। यह योजना मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है, और इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम विकास अधिकारियों व केयर टेंकरों को गौशालाओं के देखभाल के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि गौवंश को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, उन्होंने नोडल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की गौशालाओं का नियमित भ्रमण करने का निर्देश दिया और कहा कि अगर कहीं अव्यवस्था पाई जाए तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि पशु चिकित्सा अधिकारी गौशालाओं में नियमित रूप से जाकर गोवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण करें और कृत्रिम गर्भाधान तथा बधियाकरण योजनाओं की सफलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौवंश का शत-प्रतिशत टीकाकरण किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की बीमारी से बचाव हो सके। साथ ही, मुख्यमंत्री सहयोगिता योजना के तहत कुपोषित बच्चों के परिजनों को गाय सौंपने की प्रक्रिया में प्रगति लाने निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निदेशालय को समय पर डिमांड भेजने के निर्देश दिए। वहीं, सर्दियों के मद्देनजर उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा पुराने बोरे से काऊ कोट बनाने की योजना को प्रोत्साहित किया, जिससे न केवल गोवंश को गर्माहट मिलेगी, बल्कि स्थानीय महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने वृहद गौशाला जुगराजपुर और नुनवई को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित किया जाए। उन्होंने मोबाइल वेटरनरी यूनिट 1962 की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की और निर्देशित किया कि यदि यूनिट में कोई चिकित्सक छुट्टी पर जाता है तो इसकी जानकारी सुनिश्चित की जाए और सेवा में कोई बाधा न आने पाए। इसके अलावा, मत्स्य विभाग की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग को अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित रहे, ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ आमजन तक पहुंच सके। उन्होंने मनरेगा के तहत तालाबों के सुधार कार्यों को प्राथमिकता देने और अधिक से अधिक मत्स्य क्रेडिट कार्ड जारी करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बैठक में दिए गए निर्देशों के सम्यक् अनुपालन के क्रम में सभी योजनाओं का कार्यान्वयन प्रभावी ढंग से किया जाएगा। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र देव शर्मा, प्रभारी जिला विकास अधिकारी महेंद्र चौबे और अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रामपुर बरई में मानक के अनुसार चल रहा नाली निर्माण , अधिकारी लगातार कर रहे हैं जांच

क्यूँ न लिखूँ सच -अमरीक सिंह

बहराइच जिले के रिसिया ब्लॉक इलाके के रामपुर बरई गांव में नाली निर्माण कार्य में घटिया

सामग्री का प्रयोग करने का षड्यंत्रकारियों ने लगाया झूठ आरोप। रविवार के दिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नाली निर्माण में मानक के अनुसार कार्य करवाते पाया गया। यह कार्य मनरेगा से करवाया जा रहा है । 150 मीटर तक मनरेगा से यह नाली निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। गांव के ग्रामीणों ने बताया की नाली निर्माण में किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं बरती जा रही है। नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता के अनुसार कार्य करवाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया नाली ना होने से गांव का गंदा पानी निकास के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। वर्षों साल बाद गांव में नाली बनने से ग्राम प्रधान की प्रशंसा हो रही है। ग्राम पंचायत सचिव व खंड विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत में जाकर जांच की है।

श्री राम महायज्ञ और राम कथा आयोजन स्थल का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) तहसील के ग्राम रबा मे आगामी 26 नम्बवर से श्री राम महायज्ञ और श्री राम कथा महोत्सव को लेकर तेयारिया जोर शोर से चल रही है इसी बड़े आयोजन को लेकर आज रविवार को

जिले के अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा गाँव रबा पहुचे जहाँ अपर पुलिस अधीक्षक ने इस महायज्ञ और कथा के बारे मे इस आयोजन समिति से जुड़े लोगो से जानकारी ली और महायज्ञ के यज्ञ स्थल कथा स्थल राम लीला मंच वेदी स्थल प्रवचन स्थल और वाहन पार्किंग स्थल आदि जगह देखी और 26 नम्बवर को निकलने वाली कलश यात्रा के बारे मे भी जान कारी ली उन्होंने निर्देश दिये की इस आयोजन मे सुरक्षा व्यवस्था के लिये पुलिस बल भी तेनात रहेगा और अगर किसी भी प्रकार की कोई समस्या आये तो पुलिस प्रशासन को जरूर अवगत कराते रहे इस अवसर पर कोंच की पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय भेंड़ चौकी के इंचार्ज सुशील कुमार सिंह रबा गाँव के प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा सत्येंद्र सिंह गुर्जर दिक्कु नारायण सिंह आर्चय रामु पटेल सहित कई गाँव वासी मौजूद रहे

साड़ी की दुकान मे लगी आग बीस लाख का नुक्सान, घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला प्रताप नगर सेठ बृंदरावन स्कूल के पास बीती रात एक साडी की दुकान मे आग लग गई जिसमे लाखो रुपये की साडी बगेरह जलकर राख हो गई है इस घटना की

जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की मिली जानकारी मे अमित कुमार सकेरे पुत्र महावोर शरण सकेरे निवासी मोहल्ला प्रताप नगर सेठ वृंदरावन स्कूल के पास आवास बनाकर अपने परिवार के साथ रह रहे और तीन मंजिल का मकान है नीचे उनकी पूर्वी साडी सेंटर के नाम से साडी की दुकान है बीती रविवार की रात करीबन बारह बजे के आस पास उनकी दुकान की शटर से धुँआ निकल रहा और जलने की बदबु आ रही थी तो वह उपरी मंजिल पर सो रहे मलिक ने जब यह देखा तो वह चिल्लाने लगे और अपने परिजनों को इसकी खबर दी काफी आवास आने पर अड़ोस पड़ोस के लोग रात मे आ गये और जल रही आग को बुझाने के लिये अपनी समरसेबिल् चला कर आग बुझाने मे लग गये और दुकान मालिक ने इस आग की घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर खेड़ा चौकी के नये प्रभारी संतराम कुशवाहा और मंडी चौकी के प्रभारी नितीश कुमार दल बल के साथ पहुंचे और जांच पड़ताल की इस आग की घटना को लेकर दुकान मालिक ने बताया है की उसका बीस लाख रुपया का माल जलकर राख हो गया है दुकान मालिक के घर मे अचानक घटी इस आग की घटना को लेकर रो रो कर बुरा हाल है इस आग की घटना का सही कारण पता नही चल सका है पुलिस का मानना है की यह आग की घटन सोर्ट सर्किट की लग रही है फिर भी जाँच की जायेगी

हाथरस के हार्डवेयर कारोबारी की पत्नी अलीगढ़ मे थी भर्ती इलाज में लापरवाही से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष उपाध्याय

अलीगढ़ के सासनी गेट थाना क्षेत्र के आगरा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में गर्भवती और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई ! मौत की बात जब परिवार के लोगों को पता चली तो उन्होंने इलाज में लापरवाही की बात कह कर हंगामा शुरू कर दिया ! लोगों ने अस्पताल के अंदर तोड़फोड़ भी की और कार्रवाई की मांग करने लगे ! अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और जिसके वाद सासनी गेट पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया! परिजनों का आरोप था कि इलाज मे लापरवाही की गई है ! जब गर्भवती को पर्सव पीड़ा हुई तो उस समय महिला डॉक्टर मौजूद ही नहीं थी ! नर्स ही गर्भवती को उपचार दे रही थी ! जिसके कारण मौत हुई है ! हाथरस के कस्बा मेंडू

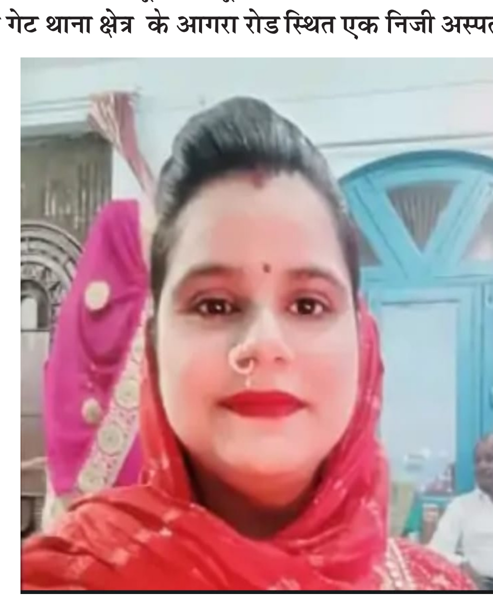

निवासी पवन गुप्ता हार्डवेयर कारोबारी है उनकी 35 वर्षीय पत्नी रूबी गर्भवती थी ! और उसे प्रसव के लिए उन्होंने अलीगढ़ के आगरा रोड स्थित डॉ अंजुला भार्गव के अस्पताल मे भर्ती कराया था ! परिवार के लोगों का कहना था कि वह लोग ऑपरेशन के लिए तैयार थे, लेकिन उन्हें नॉर्मल डिलेवरी का आश्वासन दिया गया था ! जिसके वाद वे इंतजार कर रहे थे गर्भवती को जब प्रसव पीड़ा हुई तो उस समय अस्पताल में कोई भी डॉक्टर नहीं थी ! नर्स ने ही उपचार दिया ! और डॉक्टर 1 घंटे बाद आई जिसके कारण गर्भवती की मौत हो गई !

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना ,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे – 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

शामली मां बगलामुखी एवं शिव परिवार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली मां बगला मुखी एवं शिव परिवार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरविंद संगल में अपने पिता स्वर्गीय लख्मीचंद संगल स्वर्गीय जनक दुलारी संगल की पुण्यतिथि के अवसर पर यह आयोजन किया गया जिसमें मूर्ति स्थापना प्राण प्रतिष्ठा 11 11=00 की गई उसके बाद मां बगलामुखी का स्याही कीर्तन उसके पश्चात एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया यह बगलामुखी

मंदिर सेंट रच स्कूल के पास नई मंडी मुंडेट रोड पर स्थापना की गई जिसमें आसपास के गांव से भी भक्त जनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया नगर पालिका परिषद अरविंद संगल का यह कहना है कि हमेशा भगवान मेरे से अच्छे काम करता रहे और मैं अच्छा काम करता रहूं कभी मेरे हाथ से गलत काम ना हो इसी कामना के साथ सभी भक्तजनों को प्रसाद एवं खाने पर विशेष तौर से ध्यान रखा गया ताकि भंडारे में आए भक्तजन कोई भी निराश होकर ना लोट

संभल में मुठभेड़: गोतस्करी के आरोपी गजराज के पैर में लगी गोली, जख्मी हुआ तो पकड़ा गया..सिपाही भी हुआ घायल

जुनावई में पुलिस मुठभेड़ में गोतस्कर गजराज घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके दो साथी फरार हैं।

आरोपी के पास से तमंचा, बाइक बरामद किया गया है।जुनावई में शनिवार की देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में गोतस्कर गजराज को गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। एक कांस्टेबल भी जख्मी हुआ है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जुनावई पुलिस रात को घौंसली वाहन शुगर मिल खंडहर के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार तीन लोग आते दिखाई दिए। पुलिस कर्मियों ने रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पीछा किया।इस दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। दो आरोपी बाइक छोड़ कर मौके से भाग गए। आरोपियों को पकड़ने में एक कांस्टेबल भी जख्मी हुआ है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी गोतस्कर गजराज है। वह गुन्नौर के गांव डूडा बाग का रहने वाला है। उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। इसके कब्जे से एक तमंचा, बाइक और एक गोवंशीय पशु मिला है। आरोपी रात के समय पशुओं की चोरी कर उनका वध कर मांस की तस्करी करते थे। शनिवार रात जुनावई पुलिस ने मुठभेड़ में गोतस्कर गजराज को पकड़ा है। उसके पैर में गोली लगी है। अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया है। उसके दो साथी फरार हैं, जिन्हें तलाशा जा रहा है। -कृष्णकुमार विश्नोई, एसपी

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

अनुराग के घर पहुंचे धनंजय सिंह: बोले- हत्यारों को 6 माह में हो सजा, बहनें IAS बनें; मैं उठाऊंगा पढ़ाई का खर्च

ताइक्कांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की हत्या के 14 दिन बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह परिजनों से मिलने घर पहुंचे। उन्होंने एक लाख की आर्थिक सहायता देने के साथ ही दोनों बहनों की पढ़ाई का

खर्च उठाने का एलान भी किया। जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में बीते 30 अक्तूबर को जमीनी विवाद को लेकर हुई तलवार से गर्दन काटकर ताइक्कांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की हत्या के 14 दिन बाद शनिवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह उसके घर पहुंचे। पूर्व सांसद ने अनुराग के पिता रामजीत यादव एवं दोनों बहनें स्वाती और आराधना को ढांढस बंधाया। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वे मृतक अनुराग के परिजनों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने परिजनों को एक लाख रुपये का चेक देकर आर्थिक सहायता दी। पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वह परिजनों के साथ हैं। अनुराग की दोनों बहनों की पूरी शिक्षा दीक्षा का खर्चा उन्होंने उठा लिया है। बहुत जल्द ही वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से परिजनों की मुलाकात कराएंगे। उन्होंने घटना की घोर निंदा की और कहा कि यदि राजस्व विभाग पहले से ही इस मामले को गंभीरता से लेता तो शायद इस होनहार खिलाड़ी की हत्या नहीं होती।

यूपी उपचुनाव: कटेहरी में बोले अखिलेश यादव, भाजपा के इंटरनल सर्वे में हार की बात आई सामन

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कटेहरी विधानसभा सीट पर जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा के डबल इंजन आपस में टकरा रहे हैं। उनके इंटरनल सर्वे

में हार की बात सामने आ रही है।पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने रविवार को कटेहरी में कहा कि दिल्ली और लखनऊ के इंजन आपस में टकरा रहे हैं। इनके नारे तक टकरा रहे हैं। इसी के चलते डीजीपी की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। दिल्ली दरअसल किसी और को चाहती है। अखिलेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि संत, मुनि और ऋषि कम बोलते हैं लेकिन कलयुग में कटुता की बातें की जा रही हैं। कहा कि इनके इंटरनल सर्वे में हार की बात आई है। इसलिए चुनाव टाल दिया। इनको लगा कि छठ पर्व मनाने जो लोग घर आयेंगे वो इनके खिलाफ ही वोट करेंगे।उन्होंने पहले खाद की बोरी का वजन कम होने की याद दिलाते हुए कहा कि अब तो खाद ही गायब हो जा रही है। सभा को सांसद लालजी वर्मा, पूर्व मंत्री राम मूर्ति वर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

संक्षिप्त समाचार

इस बात पर भड़के बृजूभषण शरण सिंह, कांग्रेस के लिए कर दी भविष्यवाणी; बजरंग पुनिया पर लगाया गंभीर आरोप

बृजूभषण शरण सिंह भड़के तो उन्होंने कांग्रेस के लिए भविष्यवाणी कर दी। बजरंग पुनिया पर गंभीर आरोप लगाया।यूपी के गोंडा में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का दर्द छलका। कहा कि भारतीय कुश्ती की दुनिया में धाक थी। लेकिल, अब कुश्ती दुर्भाग्य के दौर से गुजर रही है। उन्होंने दिल्ली में धरना देने वाले पहलवानों को आड़े हाथों लिया।

लोगों ने धरना कि कुश्ती अब हाईकोर्ट में कर कुश्ती कर रहे हैं। बजरंग पूनिया कुश्ती संघ को कहा कि जब इन दिया तो कहते थे बचाने आए हैं। याचिका दाखिल रोकने की मांग उन्होंने पहलवान द्वारा भारतीय लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका पर अपनी बात कही। देश की कुश्ती लगातार बर्बाद हो रही उनका साफ संकेत था कि ऐसा करके लोग कुश्ती खेलने वाले युवाओं की तरक्की में बाधा बन रहे हैं। नवाबगंज के विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर पूर्व सांसद ने लोगों से बातचीत की। कहा कि यह लोग पूरी देश की कुश्ती को खत्म करना चाहते हैं। बजरंग पूनिया कांग्रेस के नेता है। देश की कुश्ती लगातार बर्बाद हो रही है। प्रतिभाग करने वाले बच्चे प्रमाण पत्र पाते हैं कांग्रेस को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इससे पहले साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादयान ने याचिका डाली थी। लेकिन, कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में शामिल होने गईं और मेडल लेकर आईं। बताया कि अब नेशनल कुश्ती होनी है। इसमें प्रतिभाग करने वाले बच्चे प्रमाण पत्र पाते हैं। वह नौकरी में काम आता है। अब इन्हें रोकने के लिए एक याचिका दाखिल की गई है।उन्होंने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ ही प्रतियोगिता कराता है और वहीं खिलाड़ियों का चयन ट्रायल कराता है। हाईकोर्ट ने नेशनल चैंपियनशिप के आयोजन पर रोक नहीं लगाया है और सुनवाई के लिए तारीख दी है। बताया कि दो वर्ष से कैंप नहीं चल रहा है। पहलवानों से उनका हक न छीनें- यदि लखनऊ में कैंप नहीं चल सकता तो महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश व राजस्थान में लगवाएं। लेकिन, भविष्य के पहलवानों से उनका हक न छीनें। उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। कहाकि कैंप न लगने से नई पीढ़ी को अवसर नहीं मिल रहा है, जो देशहित में नहीं है।

बाइक सवार दो युवकों ने किरयाना व्यापारी को ठगा

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना,शामली। कस्बे के मोहल्ला गुम्बद निवासी नीरज जिसकी

मोहल्ला बेगमपुरा निकट शामली बस स्टैंड के पास परचून की दुकान है पर बाइक सवार दो युवक पीढ़ित दुकानदार नीरज की दुकान पर पहुंचें और उनसे दो तेल के टीन लिए उसके बाद पीली टीशर्ट पहने हुए युवक ने दुकानदार से पेमेंट के लिए स्कैनर मांगा तो पीढ़ित दुकानदार ने युवक को स्कैनर दे दिया इसके बाद बातों में उलझाकर उक्त युवक यह कहते हुए तेजी से निकल गए पेमेंट हो गई है। जब कुछ देर तक मैसेज नहीं आया तो पीढ़ित दुकानदार ने कोतवाली कैराना पुलिस को घटना की जानकारी दी जिस पर कोतवाली प्रभारी ने पीढ़ित दुकानदार से पूछताछ करके और युवकों की वीडियो के आधार पर जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है। उक्त पूरी घटना वीडियो में कैद हो गई है। जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है।

दूल्हा बनेंगे राम: धूमधाम से होगा मेरे प्रभु का शुभ तिलकोत्सव, सीताजी के भाई जनकपुरवासियों संग तिलक लेकर निकले

अयोध्या में श्रीराम का तिलकोत्सव धूमधाम से होगा। प्रभु आटे से बने सिंहासन पर विराजेंगे। सीताजी के भाई जनकपुरवासियों संग तिलक लेकर निकल गए हैं।रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम का शुभ तिलकोत्सव 18 नवंबर को दोपहर दो बजे पूरे जनकपुरवासी तिलक लेकर अयोध्या पहुंच रहे उत्सव समारोह के लिए रामसेवकपुरम परिसर स्वरूप में सज्जित 18 वर्षीय युवक को आटे से जाएगा। मंच सजाने का काम शनिवार की देर देख रहे विहिप के राजेंद्र सिंह पंकज ने बताया शुरू हो गया है।तिलकहरुओं को सम्मान और हनुमान आश्रम, विवेक सृष्टि, माता सरस्वती देवी का तिलक चढ़ाने के लिए सीता जी के छोटे रामरोशन दास निभाएंगे। इस पल के साक्षी बनने सतीश कुमार सिंह अपने मंत्रियों के साथ मौजूद के मेयर मनोज कुमार शाह नेपाल के अन्य तीन कि तिलकहरुओं के स्वागत भोजन में स्वादिष्ट सब्जी, रायता, पापड़, हलवा आदि का इंतजाम तिलक चढ़ाया जाएगा। साथ ही अयोध्या की वाले परंपरागत लोकगीतों का मंगलगान करेंगी। से नया आयाम मिलेगा। रामलला के दर्शन भी श्रीरामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाएंगे। तिलकहरू सबसे पहले नेग को रामलला के के साथ नाचते-गाते जनकपुरवासी रामलला ट्रस्ट की ओर से राम मंदिर में जनकपुर से आए

विधि-विधान पूर्वक होगा। 500 से अधिक हैं। रामसेवकपुरम में शुभ तिलकोत्सव होगा। तिलक में मंच तैयार किया जा रहा है। इस मंच पर राम के बनाए गए चौक अथवा सिंहासन पर विराजित किया शाम से शुरू कर दिया गया है। कार्यक्रम की व्यवस्था कि तिलकहरुओं में कुछ का 16 नवंबर से ही आगमन सुविधा पूर्वक ठहराने के लिए कारसेवकपुरम, अभयदाता मंदिर, तीर्थ क्षेत्र भवन में व्यवस्था की गई है। श्री रामजी भाई की भूमिका जानकी मंदिर जनकपुर के छोटे महंत के लिए नेपाल के जनकपुर मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री रहेंगे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनकपुर मेयर के साथ मौजूद रहेंगे। राजेंद्र सिंह पंकज ने बताया आलू टिक्की, पापड़ी चाट, छोला, चावल, पूड़ी, मिक्स किया गया है। वेदज्ञ आचार्यों के मंत्रोच्चार के बीच महिलाओं की टोली तिलक पर अवध क्षेत्र में गाए जाने इससे अयोध्या व जनकपुर के संबंधों को एक बार फिर करेंगे तिलकहरू- जनकपुर से आने वाले तिलकहरू रामलला के लिए नेग यानी उपहार लेकर आ रहे चरणों में समर्पित करेंगे। रामसेवकपुरम से गाजे-बाजे के दरबार पहुंचेंगे और दर्शन-पूजन करेंगे। राम मंदिर मेहमानों का अभिनंदन भी किया जाएगा। रामसेवकपुरम में तिलकोत्सव में रामनगरी के प्रमुख संत-धर्माचार्यों को भी आमंत्रित किया गया है। श्रीराम को तिलक में भेंट की जाएंगी ये वस्तुएं- जनकपुर के तिलकहरू अपने साथ कांसे के थाल, दो कटोरी, गिलास, चम्मच आदि पांच परंपरागत बर्तनों सहित अन्य बर्तन लाएंगे। इसके अलावा पीली धोती, गमछा, करधनी (डाड़ा), हल्दी गांठ, चंदन गांठ (मुट्ठा), धान, पीले चावल, दूर्वा (दूब घास), पान, इलायची, सुपारी (पुंगी फल), यज्ञोपवीत (जनेऊ), चांदी के सिक्के, आदि परंपरागत वस्तुएं तिलक समारोह के दौरान राम के स्वरूप को भेंट की जाएगी। 57 वाहनों से अयोध्या के लिए निकले तिलकहरू- शनिवार को जानकी मंदिर से करीब दस बजे 501 भार के साथ छह बस, 51 चार पहिया के साथ 500 से अधिक लोग जनकपुरधाम के मेयर मनोज कुमार साह की अगुवाई में अयोध्या के लिए प्रस्थान किए। जनकपुर से आ रहे पत्रकार मिश्रीलाल मधुकर ने बताया कि तिलक यात्रा को जानकी मंदिर के महंत राम तपेश्वर दास वैष्णव और मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह ने रवाना किया। जानकी मंदिर से अयोध्या के लिए निकले काफिला का जलेश्वर के मेयर सुरेश साहू ने स्वागत किया। पिपरा में मेयर राम जानकी यादव,मनरा सिसबा के मेयर ने अयोध्या में तिलकोत्सव में भाग लेने वाले सभी लोगों को अंगवस्त्र, फूल माला और अल्पाहार से स्वागत किया। रास्ते में बड़ी संख्या में लोग पुष्प,अक्षत से तिलकहरूओं का स्वागत कर भावविभोर होते रहे। 501 भार में प्रभु श्री राम के लिए चेन, अंगूठी सहित अन्य आभूषण हैं। रात्रि विश्राम गढ़ी माई में है।

प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन का रूट बदला, संगम जाने वाले यात्री झेल रहे दुश्वारियां

प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन का रूट बदलने से गौरीगंज से संगम जाने वाले यात्री दुश्वारियां झेल रहे हैं।लखनऊ से प्रयागराज संग जाने वाली इकलौती प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन का रूट बदलने से अमेठी के गौरीजगंज से यात्रा करने वाले लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। यात्रियों को या तो यात्रा स्थगित करनी पड़ी या फिर उन्हें दूसरे संसाधनों से सफर करना पड़ा। कुछ अन्य ट्रेनों के भी रूट बदले गए थे। ऐसे में यात्रियों को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। लखनऊ से प्रयागराज संगम के लिए एकलौती प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन का संचालन होता है। गौरीगंज से इस ट्रेन के जरिए सफर करने वाले यात्रियों को रविवार को निराश होना पड़ा। हरचंद्रपुर-गंगागंज रेलवे स्टेशन के मध्य अंडर पास निर्माण के लिए जारी ब्लॉक आदेश के कारण इस ट्रेन का संचालन

लखनऊ, निहालगढ़, सुल्तानपुर होते हुए प्रतापगढ़ रूट पर किया गया। मुबंई के लिए बुक करवाया था ट्रेन का टिकट-ऐसे में यात्रियों को या तो यात्रा स्थगित करनी पड़ी या फिर निजी संसाधनों से गंतव्य के लिए जाना पड़ा। गौरीगंज पहुंचे यात्री कपिल देव पाठक, सुरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रयागराज जक्शन से मुबंई के लिए ट्रेन का टिकट बुक करवाया था। सोचा था कि पैसेंजर से एक बजे तक प्रयागराज संगम पहुंच गंगा स्नान व दर्शन करने के बाद शाम छह बजे ट्रेन पकड़ कर मुबंई के लिए रवाना होंगे। लेकिन ट्रेन निरस्त होने से अब किराए का वाहन बुक कर रवाना होना पड़ रहा है। यही हाल प्रयागराज संगम स्नान व दर्शन करने जाने वाले अन्य यात्रियों का भी रहा। सभी ट्रेन निर्धारित रूट से संचालित होंगी- इसके अतिरिक्त जनता एक्सप्रेस व पंजाब मेल भी परिवर्तित मार्ग से संचालित हुई। स्टेशन अधीक्षक प्रवीण सिंह ने ट्रेन के परिवर्तित मार्ग से संचालित होने का आदेश तीन दिन पहले जारी हुआ था। इसका प्रचार-प्रसार करवा जा रहा है। सोमवार से सभी ट्रेन निर्धारित रूट से संचालित होगी।

गजरौला में चले हथियार: विवाद के बाद जमकर मारपीट, दो भाइयों समेत तीन जख्मी, एक की हालत गंभीर

गजरौला के पपसरा खादर गांव में मामूली विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट हो गई। धारदार हथियार से हमले में दो भाई और चाचा घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।गजरौला थाना क्षेत्र के गांव पपसरा खादर में मामूली बात पर धारदार हथियार के हमले में दो भाई और उनका चाचा घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में लाया गया। एक की हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया। गांव पपसरा खादर गांव निवासी जाकिर रविवार सुबह आठ बजे अपने दो बेटों साकिब, शहंशब और चचेरे भाई साहिल के साथ गंगापार स्थित गोशाला में काम करने जा रहे थे। उनके पास एक ट्यूब

थी। जिसे गांव के रहने वाले अब्दुल अपनी बताने लगे।इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि अब्दुल पक्ष ने धारदार हथियार से हमला कर साकिब, शहंशब और उनके चाचा साहिल को घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां से साहिल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि झगड़े की जानकारी मिली है। घायलों का मेडिकल कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सर्व ब्राह्मण समाज का अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह 24 नवंबर को महू में

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सर्व ब्राह्मण समाज का अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह हर वर्ष की अनुसार इस वर्ष भी 24 नवंबर बुधवार को स्टेशन रोड महू में भोग एवं आरती भोजन प्रसादी का कार्यक्रम महोत्सव समिति महू द्वारा है। समिति के अध्यक्ष पीयूष मिश्रा, शोभित, सर्व ब्राह्मण समाज के , सचिव मुकेश शर्मा, परशुराम नीरज शर्मा बल्लू, सचिव प्रमोद शर्मा एवं सर्व ब्राह्मण समाज महू आयोजन किया जा रहा है। बतलाया की कार्यक्रम में महू

महू की चोपड़ा वाटिका शाम 6-30 बजे के पश्चात ब्राह्मण समाज अन्नकूट आयोजित किया जा रहा सचिव प्रणव शर्मा अध्यक्ष कैलाश दत्त पांडे जयंती समिति अध्यक्ष शर्मा, कोषाध्यक्ष राहुल द्वारा कार्यक्रम का आयोजक मंडल ने ,धरनाका, पीथमपुर ,कोदरिया, सहित आसपास के ब्राह्मण समाज परिवार उपस्थित रहेंगे।

Make tasty and healthy Vegetable Pulao in minutes with this recipe for lunch, children will also like the taste

Sometimes everyday food starts to seem a bit boring, isn't it? Especially at lunch! In such a situation, if you also want to eat something new and tasty, then Veg Pulao is a great option. Let us know in this article how you can make restaurant-like Veg Pulao (Vegetable Pulao Recipe) at home, that too without any hassle in just a few minutes! Sometimes you feel like giving a new twist to the daily food, especially at lunch time. In such a situation, if you are also looking for a new and tasty rice recipe, then Vegetable Pulao is a great option. You can make it full of nutrition by adding vegetables of your choice in it. Do you know that you can make restaurant-like delicious Vegetable Pulao at home? If not, then let us tell you its easy recipe. Ingredients for making Vegetable Pulao- Basmati Rice- 2 cups (washed and soaked) Oil- 2 tbsp Onion- 1 large, finely chopped Garlic- 3-4 cloves, finely chopped Ginger- 1 inch piece, finely chopped Carrot- 1 large, grated Peas- 1 cup (frozen or fresh) Cauliflower- 1/2 cup, cut into small florets Green chili- 2-3, finely chopped Curd- 1/2 cup Turmeric powder- 1/2 tsp Coriander powder- 1 tsp Cumin powder- 1/2 tsp Red chili powder- 1/4 tsp (according to taste) Garam Masala- 1/2 tsp Salt- as per taste Water- 3 cups For tempering: Oil- 1 tbsp Cumin seeds- 1/2 tsp Bay leaf- 2 Cinnamon stick- 1 inch piece Cloves- 2-3 Black pepper- 4-5 Method of making Vegetable Pulao- First of all heat oil in a pan and add cumin seeds, bay leaf, cinnamon, cloves And add black pepper and fry. Now add onion, garlic and ginger in the same pan and fry till golden. Then add carrots, peas, cauliflower and green chillies and fry for a few minutes. After this, add turmeric powder, coriander powder, cumin powder, red chili powder and garam masala and mix well. Then dissolve curd in some water and add it to the vegetables and mix well. Now add soaked rice and mix well. After this, add 3 cups of water on top and add salt as per taste. Now cover the pan with a lid and cook on medium flame for 15-20 minutes or till the rice melts. Finally, turn off the gas and keep the pulao covered for 5-10 minutes. Then serve it hot. Special Tips- You can also add other vegetables as per your choice in vegetable pulao such as capsicum, brinjal etc. If you want to make the pulao more delicious, then you can also add raisins, almonds or cashews to it. You can serve vegetable pulao with curd or raita, as it enhances the taste manifold.

You may not know these benefits of kissing, it will bring happiness in relationships, many diseases will also end

Kissing not only has physical benefits but also mental and emotional benefits. This is a simple way by which you can give new life to your relationship and keep yourself healthy too.

Actually, kissing prevents many diseases from touching you. You also remain mentally happy. Kissing your partner reduces stress. Kissing keeps relationships healthy along with strengthening them. Kissing brings amazing glow on the face. Kissing does not only come under the category of romance, but it also has physical and mental benefits. Kiss is that stage of love blossoming, in which only feelings are needed, not words. Kiss is the best way to express love. This is such a thing, which not only strengthens relationships, but can also prove beneficial for health. If you kiss your partner daily, your blood circulation remains fine. You remain mentally happy. Today we are going to tell you about the benefits of kissing. Let's know in detail- Kissing improves mental health- Kissing increases the level of Oxytocin in the body, which is a kind of hormone and is also called 'love hormone'. This hormone reduces stress and anxiety, due to which you feel calm and happy. Keeps the heart healthy- Kissing is also important for the heart. It accelerates the heartbeat, which improves blood circulation. Regular kissing can also reduce the risk of heart diseases. Immune system becomes strong- Kissing keeps the immune system strong. Actually, the new germs transferred to the mouth by kissing do not harm, but benefit the health. Which are beneficial for the immune system. Gets rid of any pain- Kissing causes the body to rapidly produce endorphins. Which works as a natural painkiller. These hormones make the body feel happy and relaxed. This gives relief from any physical pain. Makes the face glowing- When we kiss our partner, the facial muscles become active. Which accelerates blood circulation. It works to bring natural glow on the face. Kissing someone also reduces wrinkles. Strengthens the relationship- Kissing plays an important role in strengthening the relationship between girlfriend and boyfriend or husband and wife. It increases trust and understanding between the partners. Kissing deepens the emotional bonding, which keeps love and unity in the relationship.

Are you falling prey to emotional abuse in the name of love? Identify it in minutes with these 5 signs

Always shouting and misinterpreting things! Does your partner also behave in this manner with you? If yes, then this article is for you because here we are going to tell you about 5 such signs which point towards emotional abuse in the relationship. Let's know. There should be no place for insult in the name of love in any relationship. People often ignore emotional abuse in the name of love. Over time, this emotional abuse hollows out your mental health.When two people tie the bond of love, it is natural for the relationship to have ups and downs. It is common to have minor differences, but if you are constantly feeling that your partner emotionally abuses you, then you may be trapped in a toxic relationship. Many times, it is not easy to understand the difference between fighting and emotional abuse, but by looking at certain signs (Signs of Emotional Abuse), you can understand that your relationship is in danger. So let's know what are the symptoms of emotional abuse and how you can identify it in minutes. Emotional abuse is a kind of mental violence, in which one person plays with the emotions of another person. This exploitation is as dangerous as physical violence. Victims of emotional abuse often feel lonely, helpless and hopeless. 5 Signs of Emotional Abuse You feel that you are always wrong Emotional abusers often blame their victim and hold them responsible for everything. They can make you feel like you are always wrong and everything you have done is wrong. This undermines your confidence and makes you easier to control. You feel you are aloneEmotional abusers often try to isolate their victim from their friends and family. They may make you feel like you are alone and cannot trust anyone else. This makes you more vulnerable and also makes you emotionally dependent.You feel you are scaredEmotional abusers often intimidate their victim. They may threaten you, yell at you, or insult you. This forces you to always be scared and you are afraid to make any decisions in your life. You feel you are not worthy of loveEmotional abusers often make their victim feel like they are not worthy of love. They may insult you, put you down, or tell you that you are not good enough for anything. This destroys your self-esteem and forces you to stay in a relationship that is harmful to you. Make you feel like you're going crazy - Emotional abusers often make their victims feel like they're going crazy. They may tell you that you're too sensitive, you're too emotional or you think too deeply about things. This leads you to question your own experiences and prevents you from seeking help.

Dhanush sent a legal notice of 10 crores on Nayanthara's documentary, the angry actress gave a befitting reply

Nayanthara's documentary Nayanthara Beyond the Fairy Tale is in the headlines these days.

Dhanush has sent a legal notice of 10 crores against the documentary. The reason for the case is being told that some scenes of her film Naanum Rowdy Dhan shown in the documentary have been used without permission. Now the actress has vented her anger on the notice. Dhanush sent a legal notice to Nayanthara The actress gave a befitting reply on social media, called the actor cheap for sending the noticeSouth's lady superstar Nayanthara is known for her outspoken style along with acting. The actress is currently in the limelight for one of her documentaries. Netflix documentary 'Nayanthara: Beyond the Fairy Tale' based on the actress' life and career is going to be released soon. Recently the trailer of the film was released. In the trailer, the makers have used the music of the Tamil film 'Naanum Rowdy Dhaan', after which their troubles have increased. In fact, South superstar Dhanush has sent a legal notice by filing a copyright case of 10 crores on this documentary. Nayanthara wrote an open letter for Dhanush- Nayanthara has given her reaction on the matter on Dhanush through an open letter. The actress has shared a post on her social media account, in which she is seen getting angry at Dhanush. In the letter, Nayanthara told how she has prepared the documentary with her team amidst all the difficulties. The actress said that she was asking permission from Dhanush for a long time to use the songs and lyrics of 'Naanum Rowdy Dhaan', but it was refused by Dhanush's team. Further, she told that she received a legal notice from Dhanush's team for using three seconds of the song and visuals of 'Naanum Rowdy Dhaan' in the trailer of the documentary, which was quite shocking for her. The actress further wrote in her open letter, 'We were shocked to read those lines where you questioned the use of some videos. Those videos which were shot on our personal devices, which have already been shared among the public on social media. You demanded Rs 10 crore for that video of just 3 seconds. This is the most despicable thing for you ever and shows what kind of character you have. I wish you were the person who shows what you do on stage. You do not follow what you say at all. At least not for me and my partner. The team was trying for two years - In her letter, Nayanthara has also claimed that for the last two years, she and her team were trying to get NOC from Dhanush for their documentary. When they did not get a response from Dhanush, they dropped the matter. He got the documentary re-edited and decided to release a new version. Let us tell you that the documentary film made on Nayanthara's life is going to stream on Netflix on November 18.

Jheel Mehta's pre-wedding ceremony started, had a lot of fun with friends in Bachelorette party

Jheel Mehta, who played the role of Sonu Bhide in the famous comedy show Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, got a lot of popularity from this serial. Even though she is no longer a part of this show, her fans still remember her. Currently, the actress has moved forward in her personal life and is going to get married very soon. Wedding is to be held on 28 DecemberJheel Mehta, who played the character of Sonu in Tarak Mehta, is going to get marriedSonu Bhide aka Jheel Mehta, who was seen in Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, is going to get married very soon. Recently, she has shared her excitement about getting married to her boyfriend Aditya Dubey. Their wedding is scheduled for December 28. Jheel had told in an interview that she has been dreaming of this day for many years. The couple is planning to have a grand wedding honoring their cultural roots. The theme of their wedding will also be traditional on this basis. Jheel was seen cutting the cake with friends- Now as the wedding date is approaching, her pre-wedding functions have also started. Jheel has shared pictures of the pre-wedding function on her social media. The actress was pampered by her friends before her big day. In the photos of the celebration, Jheel looks very beautiful in a white dress. The happiness of becoming a bride can be clearly seen on her face. She is seen cutting the cake and having fun with friends in the pictures. She played the character of Sonu in Tarak Mehta. Her girl gang gifted her a bouquet and showered a lot of love on the bride-to-be Jheel by kissing her. In her conversation with E Times, Jheel shared her excitement about becoming a bride. She said- It has been a fun journey. I am at peace with this stage. We will enter the new year as husband and wife. Our wedding will be an intimate ceremony in which only a few family members and close friends will be present. Jheel Mehta was not seen in any other show after Tarak Mehta Ka Ooltah Chashmah. She got a lot of popularity from this show. She was one of the most favorite members of Tappu Sena. Who is Aditya Dubey? - Let us tell you that Jheel's future husband Aditya Dubey is her childhood friend. Aditya is in the gaming studio business. Along with this, he is also active in video content creation. Currently, like Jheel, her fans are also excited to see her in bridal attire.

Ranveer-Deepika's daughter turned two months old, the actor called Dua's birth magical, said- 'Life has changed'

After 6 years of dating, Ranveer Singh and Deepika Padukone finally got married in the year 2018. On September 8, this couple got the privilege of becoming parents. Now during the media interaction, Ranveer has shared his experience called Dua's birth magical and said that my life born on September 8 - Deepika's daughter is on the seventh sky since becoming a father. The couple has lovingly named their daughter Singh expressed happiness - Now for the first about his experience of becoming a new father. long time, so at this time I am experiencing what it is like, but there are no words in any is a very good partner - Ranveer - Ranveer told of his daughter. He has started being happier there is, if you share it with someone then it happiness with others then it doubles. It is like become stronger. Your partner supports you in Deepika is my partner." Recently Ranveer and On this special occasion, the actor wished "Although every day is a day to appreciate your #HappyAnniversary I love you." After dating

of becoming a father for the first time. Ranveer Singh has changed. Ranveer Singh is happy Daughter turned two months oldRanveer Singh's happiness On September 8, Deepika gave birth to a daughter. Dua Padukone Singh. Dua means prayer. Ranveer time, Bajirao Mastani fame actor has publicly talked Ranveer said, "I have been doing daddy duty for a immense happiness. I wish I had words to express language that I can express this happiness." Deepika that his life has completely changed since the arrival than before. He further said, "Whatever sorrow reduces and if you are happy and if you share this magic. My relationship with Deepika has also your happiness and sorrow and I am lucky that Deepika celebrated their sixth wedding anniversary. Deepika by sharing many pictures of her. He wrote, wife, today is even more special day for 6 years, Ranveer and Deepika got married on November 14, 2018 at Lake Como in Italy. It was an intimate wedding with just a few family and friends in attendance. Dua is now two months old.